विषय कोड :
Subject Code : 106/125/206/224/306/331

CLASS-XII QUARTERLY EXAMINATION, JULY - 2026

कक्षा - XII त्रैमासिक परीक्षा, जुलाई - 2026

HINDI (COMPULSORY)

हिन्दी (अनिवार्य)

I.Sc., I.Com. & I.A.

कुल प्रश्न : 70 + 20 + 8 = 98 — कुल मुद्रित पृष्ठ : 32

Total Questions : 70 + 20 + 8 = 98 — Total Printed Pages : 32

(समय : 3 घंटे 15 मिनट) — (पूर्णांक : 80)

[Time : 3 Hours 15 Minutes] — [Full Marks : 80]

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
4. प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।

HINDI

/12/26/3012

[Continu

CLASS-XII

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **10** प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न के लिए **2** अंक निर्धारित है ।

$10 \times 2 = 20$

1. कवि जायसी ने अपनी एक आँख की तुलना दर्पण से क्यों की है ?

2. कवि सूरदास के अनुसार गायें किस ओर दौड़ पड़ीं ?

3. कवि तुलसीदास 'श्रीरामचरितमानस' की रचना कब प्रारम्भ किये थे ?

4. कवि तुलसीदास का विवाह किसके साथ हुआ था और वे किनकी पुत्री थीं ?

5. कवि सूरदास का निवास स्थान कहाँ था ?

6. कवि जायसी के अनुसार 'रकत कै लेई' का क्या अर्थ है ?

CLASS-XII

7. कवि तुलसीदास ने अपने द्वितीय पद में प्रभु श्रीराम को किन-किन नामों से सम्बोधित किया है ?

8. कवि जायसी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखें ।

9. बालकृष्ण भट्ट का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

10. 'उसने कहा था' शीर्षक पाठ में जब अमृतसर के बाजार में पहली बार लड़का और लड़की की मुलाकात हुई, उस समय उनकी अवस्था क्या थी ?

11. जयप्रकाश नारायण कम्युनिस्ट पार्टी में क्यों नहीं शामिल हुए ?

12. रामधारी सिंह 'दिनकर' के माता-पिता का नाम क्या था ?

13. जयप्रकाश नारायण कब और किससे अमेरिका के बारे में सुने थे ?

14. जयप्रकाश नारायण ने किन पार्टियों के गठन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई ?

15. 'उसने कहा था' शीर्षक कहानी कितने भागों में बँटी हुई है ? कहानी के कितने भागों में युद्ध का वर्णन है ?

[Contin

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है । $4 \times 5 = 20$

21. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **150 - 200** शब्दों में निबंध लिखें :

दीपावली, गंगा नदी, मेरी प्रिय पुस्तक, दहेज प्रथा ।

22. छात्रावास में अपनी माताजी को याद करते हुए, उनके पास एक पत्र लिखें ।

23. ''कछुक खात, कछु धरनि गिरावत, छबि निरखति नंद-रनियाँ ।'' - सप्रसंग व्याख्या करें ।

24. ''व्यक्ति से नहीं हमें तो नीतियों से झगड़ा है, सिद्धांतों से झगड़ा है, कार्यों से झगड़ा है ।'' - आशय स्पष्ट करें ।

25. जयप्रकाश नारायण अमेरिका में क्या-क्या काम करते थे और क्यों ?

[Contin

26. 'उसने कहा था' शीर्षक कहानी का केन्द्रीय भाव क्या है ? वर्णन करें ।

27. कवि तुलसीदास के प्रथम पद का भावार्थ अपने शब्दों में लिखें ।

28. प्रथम कड़वक में व्यंजित जायसी के आत्मविश्वास का परिचय अपने शब्दों में दें ।

CLASS-XII

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. कवि जायसी ने अपनी एक आँख की तुलना दर्पण से क्यों की है?
उत्तर: क्योंकि एक ही आँख से वे संसार को स्पष्ट और सत्य रूप में देख पाते थे।

2. कवि सूरदास के अनुसार गायें किस ओर दौड़ पड़ी?
उत्तर: श्रीकृष्ण (कन्हैया) की ओर।

3. तुलसीदास ने *श्रीरामचरितमानस* की रचना कब प्रारम्भ की?
उत्तर: संवत् 1631 (रामनवमी के दिन)।

4. तुलसीदास का विवाह किससे हुआ था और वे किनकी पुत्री थीं?
उत्तर: रत्नावली से, जो **दीनबंधु पाठक** की पुत्री थीं।

5. कवि सूरदास का निवास स्थान कहाँ था?
उत्तर: गऊघाट (मथुरा/आगरा के निकट)।

6. जायसी के अनुसार 'रक्त के लेई' का क्या अर्थ है?
उत्तर: रक्त का संबंध (खून का रिश्ता)।

7. घनानंद ने अपने विभिन्न पदों में गुरु श्रीराम को किस-किस रूप में चित्रित किया है?
उत्तर: मित्र, स्वामी, रक्षक तथा करुणामय ईश्वर के रूप में।

8. जायसी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।
उत्तर: पद्मावत तथा **अखरावट**।

9. रामधारी सिंह 'दिनकर' का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
उत्तर: 23 सितम्बर 1908, सिमरिया, बेगूसराय (बिहार)।

10. 'उसने कहा था' में पहली मुलाकात के समय लड़का-लड़की की आयु क्या थी?
उत्तर: लगभग 12 वर्ष (लड़का) और 8 वर्ष (लड़की)।

11. जयप्रकाश नारायण कम्युनिस्ट पार्टी में क्यों नहीं शामिल हुए?
उत्तर: क्योंकि वे **महात्मा गांधी के अहिंसक एवं लोकतांत्रिक विचारों** से प्रभावित थे।

12. रामधारी सिंह 'दिनकर' के माता-पिता का नाम क्या था?
उत्तर: पिता – रवि सिंह, माता – मनरूप देवी।

13. जयप्रकाश नारायण ने कब और किससे अमेरिका के बारे में सुना?
उत्तर: पटना कॉलेज में अध्ययन के दौरान अपने मित्र भोलादत्त पंत से।

14. जयप्रकाश नारायण ने किन पार्टियों के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?
उत्तर: कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी तथा **जनता पार्टी**।

15. 'उसने कहा था' कहानी कितने भागों में बँटी है? युद्ध का वर्णन कितने भागों में है?
उत्तर: कहानी 3 भागों में बँटी है तथा युद्ध का वर्णन अंतिम (तीसरे) भाग में है।

21. निबंध (दहेज प्रथा)

दहेज प्रथा

दहेज प्रथा भारतीय समाज की एक गंभीर सामाजिक बुराई है। विवाह के समय वर पक्ष द्वारा वधू पक्ष से धन, वाहन, आभूषण तथा अन्य महँगी वस्तुओं की माँग करना दहेज कहलाता है। पहले यह प्रथा स्वेच्छा से उपहार देने तक सीमित थी, परन्तु आज यह लालच का रूप ले चुकी है।

दहेज के कारण अनेक परिवार आर्थिक संकट में पड़ जाते हैं। कई गरीब माता-पिता अपनी बेटियों के विवाह के लिए कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं। दहेज की माँग पूरी न होने पर महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है तथा कई बार उनकी हत्या तक कर दी जाती है।

सरकार ने दहेज निषेध अधिनियम बनाकर इस प्रथा को रोकने का प्रयास किया है, लेकिन केवल कानून से समस्या समाप्त नहीं होगी। समाज को भी जागरूक होना होगा। युवाओं को बिना दहेज विवाह करने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए।

निष्कर्ष: दहेज प्रथा समाज पर कलंक है। इसे समाप्त करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

22. छात्रावास से माताजी को पत्र

परीक्षा भवन
दिनांक : 03 जुलाई 2026

पूजनीय माताजी,

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहाँ छात्रावास में सकुशल हूँ और आशा करता हूँ कि आप सभी भी स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे। आपकी बहुत याद आती है। घर का स्नेह और आपका स्नेहिल व्यवहार हर समय स्मरण रहता है।

मेरी पढ़ाई अच्छी चल रही है। आगामी परीक्षा की तैयारी पूरे मन से कर रहा हूँ। आप मेरी चिंता बिल्कुल न करें। छात्रावास का वातावरण पढ़ाई के लिए अनुकूल है। मैं समय पर भोजन करता हूँ और अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखता हूँ।

पिताजी तथा घर के सभी सदस्यों को मेरा प्रणाम कहिए। छोटे भाई-बहनों को स्नेह दीजिए।

शीघ्र ही परीक्षा समाप्त होने पर घर आऊँगा।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
XYZ

23. "कछुक खात, कछुक धरनि गिरावत..." – सप्रसंग व्याख्या

संदर्भ: प्रस्तुत पंक्तियाँ भक्त कवि **सूरदास** के पद से ली गई हैं।

प्रसंग: इस पद में बालक श्रीकृष्ण की मनोहारी बाल-लीलाओं का वर्णन किया गया है।

व्याख्या: कवि कहते हैं कि बालक कृष्ण भोजन करते समय कुछ खाते हैं और कुछ भोजन भूमि पर गिरा देते हैं। उनकी भोली-भाली चेष्टाएँ अत्यंत मनमोहक लगती हैं। उनकी बाल-लीला को देखकर माता यशोदा तथा ब्रजवासी अत्यन्त आनंदित हो जाते हैं। सूरदास ने इन पंक्तियों में श्रीकृष्ण के बाल-स्वरूप का अत्यंत सजीव एवं आकर्षक चित्र प्रस्तुत किया है।

24. "व्यक्ति से नहीं हमें तो नीतियों से झगड़ा है..." – आशय स्पष्ट करें।

यह कथन जयप्रकाश नारायण के विचारों को व्यक्त करता है। उनका मानना था कि किसी व्यक्ति से व्यक्तिगत शत्रुता रखना उचित नहीं है। यदि किसी सरकार या नेता की नीतियाँ जनता के हित में नहीं हैं, तो उनका विरोध करना चाहिए। लोकतंत्र में व्यक्ति नहीं, बल्कि उसके सिद्धांत, नीतियाँ और कार्य महत्वपूर्ण होते हैं।

जयप्रकाश नारायण सत्य, न्याय, लोकतंत्र और जनहित के समर्थक थे। इसलिए उन्होंने हमेशा अन्यायपूर्ण नीतियों का विरोध किया, लेकिन किसी व्यक्ति के प्रति द्वेष नहीं रखा।

25. जयप्रकाश नारायण अमेरिका में क्या-क्या काम करते थे और क्यों?

जयप्रकाश नारायण उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अमेरिका गए थे। वहाँ उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, इसलिए पढ़ाई का खर्च चलाने हेतु उन्होंने अनेक छोटे-बड़े कार्य किए। उन्होंने खेतों में मजदूरी की, होटल में बर्तन साफ किए, कारखानों में काम किया, फलों के बागानों में मजदूरी की तथा अन्य श्रम कार्य भी किए।

इन कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। अमेरिका में रहकर उन्होंने श्रमिकों के जीवन, समाजवाद तथा लोकतंत्र का गहराई से अध्ययन किया। इन्हीं अनुभवों ने उनके व्यक्तित्व और राजनीतिक विचारों को नई दिशा दी।

---

26. 'उसने कहा था' कहानी का केंद्रीय पात्र

'उसने कहा था' कहानी का केंद्रीय पात्र **लहना सिंह** है। वह एक साहसी, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ सैनिक है। बचपन में उसकी एक लड़की से मुलाकात होती है, जिसकी स्मृति उसके मन में जीवनभर बनी रहती है।

युद्ध के समय वही लड़की अपने पति और पुत्र की रक्षा का दायित्व लहना सिंह को सौंपती है। वह अपने वचन को निभाने के लिए प्राणों की बाज़ी लगा देता है। अंततः वह अपने कर्तव्य और वचन की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त होता है।

लहना सिंह त्याग, प्रेम, कर्तव्य और बलिदान का आदर्श पात्र है।

27. तुलसीदास के प्रथम पद का भावार्थ

तुलसीदास अपने प्रथम पद में भगवान श्रीराम की महिमा का वर्णन करते हैं। वे कहते हैं कि श्रीराम दयालु, करुणामय तथा भक्तों के रक्षक हैं। जो मनुष्य सच्चे मन से उनका स्मरण करता है, उसके सभी दुख दूर हो जाते हैं।

कवि का विश्वास है कि भगवान की भक्ति से मनुष्य को मानसिक शांति, सुख तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को भगवान श्रीराम की भक्ति करनी चाहिए।

---

28. प्रथम कहुक में व्यक्त जायसी के आत्मविश्वास का परिचय

प्रथम कहुक में कवि मलिक मोहम्मद जायसी अपने जीवन तथा व्यक्तित्व का परिचय देते हैं। वे अपनी शारीरिक कमियों को स्वीकार करते हुए भी निराश नहीं होते। उनका विश्वास है कि मनुष्य की महानता उसके बाहरी रूप में नहीं, बल्कि उसके ज्ञान, चरित्र और कर्म में होती है।

जायसी स्वयं को ईश्वर का भक्त मानते हैं और अपनी काव्य-प्रतिभा पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और आत्मबल बनाए रखते हैं। यही उनका आत्मविश्वास है, जो उन्हें महान कवि बनाता है।